Marwari College, Darbhanga
Hand written lecture No. 3
By
Dr. S.K. Suman, Asst. Prof, Dept. of Psychology

Page No 40
Date 13/04/20

Class - B.A, Part-I, Psychology(H), Paper-I
Unit-4. Learning, Topic - Verbal learning (वाचिक अधिगम)
what is Verbal learning? (मौखिक सीखना)

मौखिक सीखना (वाचिक अधिगम) शिक्षण के कई प्रकारों में से अधिगम का एक प्रकार है।

Types of Learning, को पाँच वर्गों में बाँटकर अध्ययन कर सकते हैं:- ① गामक कौशल अधिगम (Motor skill learning) - में ऐसे कार्यों को सीखा जाता है जिसमें बाह्य व्यवहार या शारीरिक क्रियाएँ मुख्य रूप में प्रदर्शित होती हैं। जैसे-तैरना, साइकिल चलाना, नृत्य आदि ② अनुबंधन ③

* ③ वाचिक अधिगम ④ संज्ञानात्मक अधिगम, अधिगम के इन वर्गों में प्रत्यक्षीकरण एवं संप्रत्यय आदि को रखा जाता है ⑤ अन्तर्दृष्टिपूर्ण अधिगम, अधिगम (Insightful learning), - अधिगम की ऐसी परिस्थिति जिसमें व्यक्ति समस्या का समाधान अचानक (Suddenly) प्राप्त करता है उसे अन्तर्दृष्टि अधिगम की परिस्थितियाँ कही जाती हैं इनमें मौखिक सीखना एक महत्वपूर्ण प्रकार है।

* वाचिक अधिगम :

इसका मनुष्य के जीवन में अधिक महत्व है। क्योंकि यह योग्यता मनुष्य में ही पाई जाती है और बातों, विचारों एवं मनोभावनाओं के पारस्परिक आदान प्रदान में ऐसी क्षमता का उपयोग होता है।

Scanned with CamScanner

मौखिक सीखना का तात्पर्य शब्दों (Words) प्रतीकों (Symbols) अंकों तथा निरर्थक पदों (nonsense syllables के शिक्षण से है। चैपलिन के शब्दों में, "मौखिक सीखना का अर्थ है सूचियों या शब्दों, निरर्थक पदों आदि का सीखना (verbal learning means the learning of lists or words, nonsense syllables)। मौखिक सीखना मुख्य रूप से मनुष्य में देखा जाता है, इसलिए इसे मानव शिक्षण भी (Human learning) भी कहते हैं। मौखिक सीखना की चर्चा करते हुए मार्गन (Morgan) आदि (Morgan et, al) ने कहा है कि "मौखिक सीखना वह सीख है जिसमें शब्द उद्दीपनों या प्रतिक्रियाओं के रूप में निहित है। मौखिक शिक्षण का Contrast प्रायः अनुकूलन, मूल मूलीय सीखना या ज्ञानात्मक - क्रियात्मक शिक्षण होता है,

Definition, रीबर तथा रेबर (Raber and Raber) के शब्दों में, "Generally verbal learning refers to the study of learning using verbal stimulus materials and verbal responses. Verbal here is other inclusive, Covering Printed and written as well as spoken materials."

अतः वाचिक कौशल मानव जाति की सबसे महत्वपूर्ण एवं जटिल उपलब्धि है। वाचिक अधिगम में अधिगम सामग्री के रूप में वाचिक पदों, शब्दों, अंकों, प्रतीकों इत्यादि का उपयोग कर इनका अर्जन कराया जाता है। उदाहरण के लिए निरर्थक अथवा सार्थक पदों की सूची अथवा कुछ पंक्तियों की कविता याद करना।

Scanned with CamScanner

* निरर्थक पदों का (Nonsense syllables) का सर्वप्रथम उपयोग एबिंगहास (Ebbinghaus, 1885) ने किया था। उसने व्यंजन-स्वर-व्यंजन (C-V-C) प्रकार के तीन अक्षरों वाले 2300 निरर्थक पदों की रचना की।
* प्रयोगशालाओं में वाचिक अधिगम का अध्ययन करने के लिए चार प्रकार की विधियों का उपयोग किया जाता है - (i) युग्म साहचर्य अधिगम, (ii) क्रमिक अधिगम, (iii) वाचिक विभेदन तथा (iv) मुक्त पुनःस्मरण।
* वाचिक अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों को दो प्रमुख वर्गों में बाँटा जाता है - (i) वाचिक सामग्री सम्बन्धी विशेषताएँ जैसे - सामग्री की सार्थकता, आवृत्ति, सूचियों की समानता आदि तथा (ii) प्रयोज्य की विशेषताएँ जैसे - अभिप्रेरणा, सांवेगिकता, स्मृति विस्तार आदि।

वाचिक अधिगम की विधियाँ (Methods of Studying verbal learning) :- प्रयोगशाला में प्रयोज्यों को वाचिक सामग्री का अधिगम कई प्रकार से कराया जाता है, प्रायः इस कार्य में स्मृति ढोल (Memory drum) का प्रयोग किया जाता है। इस उपकरण की सहायता से वाचिक सामग्री को प्रस्तुत करके प्रयोज्य को उसका अधिगम विभिन्न विधियों से कराया जाता है।

यह विधियाँ या प्रायोगिक प्रक्रियाएँ इस प्रकार है -

(1) मुक्त पुनःस्मरण विधि या स्वतंत्र प्रत्याह्वान विधि (Free recall method) :- यह वाचिक अधिगम की सरलतम विधि है इसी कारण इस विधि को सरलतम पुनरुत्पादन विधि Simple reproduction method भी कहा जाता है।

Sonal